jadu_ki_chhari_suman_Layout 1 11/3/2014 12:40 PM Page 1

जादू की छड़ी

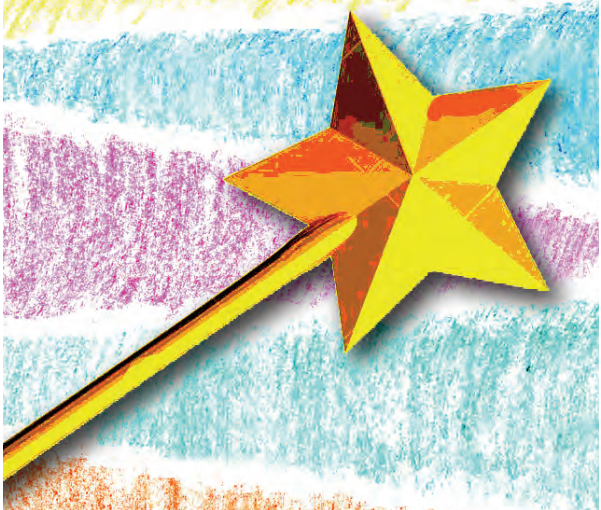

सुमन

मेरे पास जादुई छड़ी होगी तो मैं घर
को ताजमहल बनाकर उस पर
खेलूँगा और देखूँगा भी।
ताजमहल की चीज़ भी बदल दूँगा
और उसे यहीं रखूँगा।

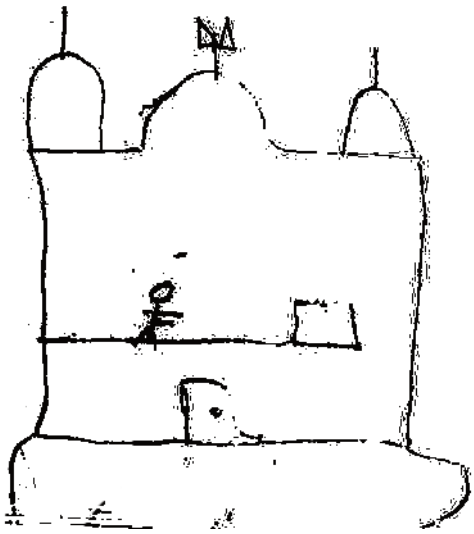

मेरे पास जादुई छड़ी होती तो मैं अपनी साइकिल को धूम बाइक बनाकर दोस्त को दिखाता। मम्मी को बाइक पर बिठाकर लम्बी सैर कराता।

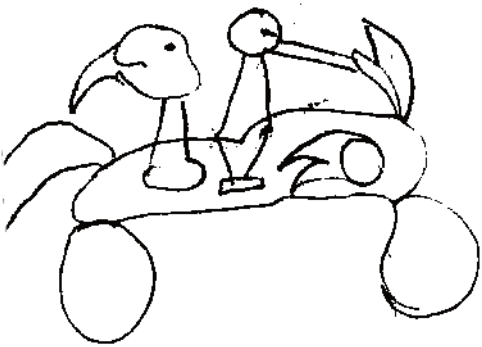

jadu_ki_chhari_suman_Layout 1 11/3/2014 12:40 PM Page 4

मैं छड़ी से अपनी सर पर पंख लगाकर पेरिस जाकर ईफ़ील टॉवर देखूँगा।

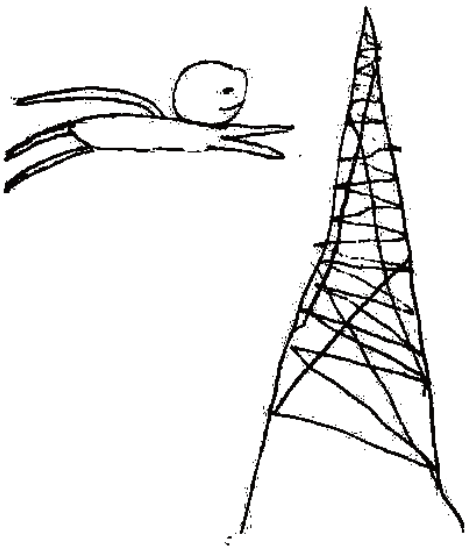

jadu_ki_chhari_suman_Layout 1 11/3/2014 12:40 PM Page 5

जो मुझे तंग करेगा मैं उसे जादुई छड़ी से पीटूँगा।

jadu_ki_chhari_suman_Layout 1 11/3/2014 12:40 PM Page 6

मुझे जो मेरी चीज़ नहीं देगा मैं
उसे तंग करूँगा।

मैं छड़ी से छोटे पेड़ को बड़ा कर दूँगा।

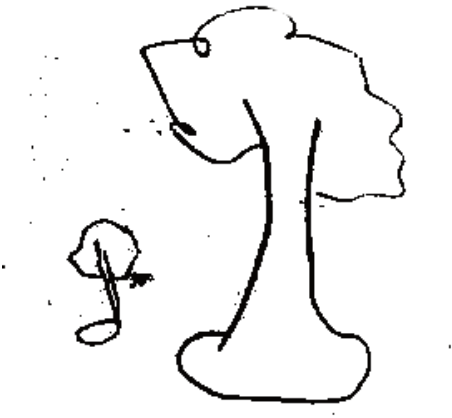

मैं छड़ी से पंद्रह अगस्त पर अपने हाथ लम्बे करके सारी पतंग लूट लूँगा।

jadu_ki_chhari_suman_Layout 1 11/3/2014 12:40 PM Page 9

मैं छड़ी से खिलौने की दुकान ले आऊँगा।

मैं छड़ी से मम्मी को जो खाना
होगा वो लाऊँगा।

मैं छड़ी से स्कूल में जल्दी–जल्दी
लिख लूँगा।

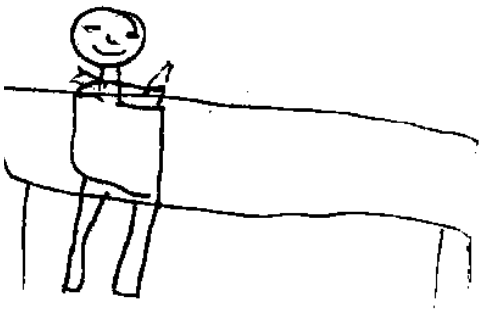

मैं छड़ी से पेड़ का झूला बनाकर झूलूँगा।

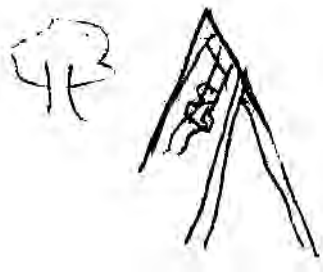

मैं छड़ी से कुत्ते को घोड़ा
बनाकर सैर करूँगा।

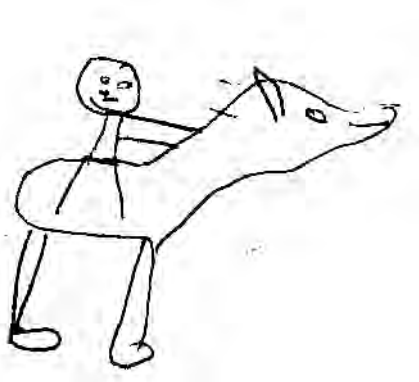

मैं छड़ी से पार्क को चिड़ियाघर बनाकर देखूँगा।

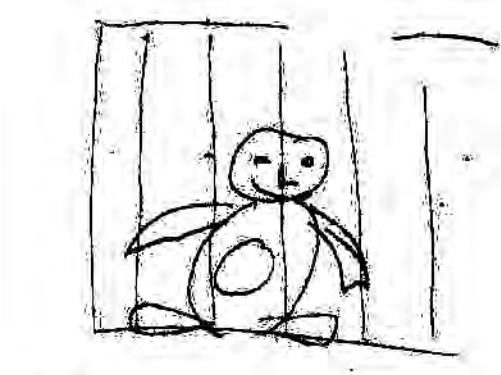

मैं छड़ी से पंखे को एसी बना दूँगा।

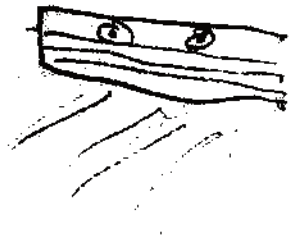

jadu_ki_chhari_suman_Layout 1 11/3/2014 12:40 PM Page 16

जादू की छड़ी

लेखन और चित्रः सुमन

लर्निंग कलेक्टिव 02,
दक्षिणपुरी, नई दिल्ली–110062

प्रकाशक :
अंकुर सोसायटी फ़ॉर ऑल्टर्नेटिव्ज़ इन एजुकेशन

2014